

Документ подписан простой электронной подписью  
Информация о владельце:  
ФИО: Ганеев Вилер Валиахметович  
Должность: Директор  
Дата подписания: 28.09.2026 15:41:41  
Уникальный программный ключ:  
fceb25d7092f3bff743e8ad3f8d57fddc1f5e66

МИНИСТЕРСТВО НАУКИ И ВЫСШЕГО ОБРАЗОВАНИЯ РОССИЙСКОЙ ФЕДЕРАЦИИ

Федеральное государственное бюджетное образовательное учреждение высшего образования "Уфимский университет науки и технологий"  
Бирский филиал УУНТ

План одобрен Ученым советом вуза  
Протокол № 7 от 27.02.2026

## УЧЕБНЫЙ ПЛАН

по программе бакалавриата

20.03.01

20.03.01 Техносферная безопасность

Профиль: Инженерная защита окружающей среды  
Кафедра: Технологического образования  
Факультет: Инженерно-технологический

Квалификация: бакалавр

Форма обучения: Заочная

Срок получения образования: 5 л.

| Основной | Типы задач профессиональной деятельности |
|----------|------------------------------------------|
| +        | сервисно-эксплуатационный                |
| +        | проектно-конструкторский                 |

Образовательный стандарт (ФГОС)

№ 680 от 25.05.2020

### СОГЛАСОВАНО

Зав. кафедрой

Декан

Начальник УМО

Зам. директора по УР

mm / Шакирова М.Г./  
Of / Усманов А.С./  
g / Садыкова О.С./  
gr / Карамова А.А./



УТВЕРЖДАЮ

Директор

Ганеев В.В.

27.02. 2026 г.

| № п/п |  |  | Наименование |  |  | Этап 1 |  |  | Этап 2 |  |  | Этап 3 |  |  | Этап 4 |  |  | Этап 5 |  |  | Этап 6 |  |  | Этап 7 |  |  | Этап 8 |  |  | Этап 9 |  |  | Этап 10 |  |  | Этап 11 |  |  | Этап 12 |  |  | Этап 13 |  |  | Этап 14 |  |  | Этап 15 |  |  | Этап 16 |  |  | Этап 17 |  |  | Этап 18 |  |  | Этап 19 |  |  | Этап 20 |  |  | Этап 21 |  |  | Этап 22 |  |  | Этап 23 |  |  | Этап 24 |  |  | Этап 25 |  |  | Этап 26 |  |  | Этап 27 |  |  | Этап 28 |  |  | Этап 29 |  |  | Этап 30 |  |  | Этап 31 |  |  | Этап 32 |  |  | Этап 33 |  |  | Этап 34 |  |  | Этап 35 |  |  | Этап 36 |  |  | Этап 37 |  |  | Этап 38 |  |  | Этап 39 |  |  | Этап 40 |  |  | Этап 41 |  |  | Этап 42 |  |  | Этап 43 |  |  | Этап 44 |  |  | Этап 45 |  |  | Этап 46 |  |  | Этап 47 |  |  | Этап 48 |  |  | Этап 49 |  |  | Этап 50 |  |  | Этап 51 |  |  | Этап 52 |  |  | Этап 53 |  |  | Этап 54 |  |  | Этап 55 |  |  | Этап 56 |  |  | Этап 57 |  |  | Этап 58 |  |  | Этап 59 |  |  | Этап 60 |  |  | Этап 61 |  |  | Этап 62 |  |  | Этап 63 |  |  | Этап 64 |  |  | Этап 65 |  |  | Этап 66 |  |  | Этап 67 |  |  | Этап 68 |  |  | Этап 69 |  |  | Этап 70 |  |  | Этап 71 |  |  | Этап 72 |  |  | Этап 73 |  |  | Этап 74 |  |  | Этап 75 |  |  | Этап 76 |  |  | Этап 77 |  |  | Этап 78 |  |  | Этап 79 |  |  | Этап 80 |  |  | Этап 81 |  |  | Этап 82 |  |  | Этап 83 |  |  | Этап 84 |  |  | Этап 85 |  |  | Этап 86 |  |  | Этап 87 |  |  | Этап 88 |  |  | Этап 89 |  |  | Этап 90 |  |  | Этап 91 |  |  | Этап 92 |  |  | Этап 93 |  |  | Этап 94 |  |  | Этап 95 |  |  | Этап 96 |  |  | Этап 97 |  |  | Этап 98 |  |  | Этап 99 |  |  | Этап 100 |  |  | Этап 101 |  |  | Этап 102 |  |  | Этап 103 |  |  | Этап 104 |  |  | Этап 105 |  |  | Этап 106 |  |  | Этап 107 |  |  | Этап 108 |  |  | Этап 109 |  |  | Этап 110 |  |  | Этап 111 |  |  | Этап 112 |  |  | Этап 113 |  |  | Этап 114 |  |  | Этап 115 |  |  | Этап 116 |  |  | Этап 117 |  |  | Этап 118 |  |  | Этап 119 |  |  | Этап 120 |  |  | Этап 121 |  |  | Этап 122 |  |  | Этап 123 |  |  | Этап 124 |  |  | Этап 125 |  |  | Этап 126 |  |  | Этап 127 |  |  | Этап 128 |  |  | Этап 129 |  |  | Этап 130 |  |  | Этап 131 |  |  | Этап 132 |  |  | Этап 133 |  |  | Этап 134 |  |  | Этап 135 |  |  | Этап 136 |  |  | Этап 137 |  |  | Этап 138 |  |  | Этап 139 |  |  | Этап 140 |  |  | Этап 141 |  |  | Этап 142 |  |  | Этап 143 |  |  | Этап 144 |  |  | Этап 145 |  |  | Этап 146 |  |  | Этап 147 |  |  | Этап 148 |  |  | Этап 149 |  |  | Этап 150 |  |  | Этап 151 |  |  | Этап 152 |  |  | Этап 153 |  |  | Этап 154 |  |  | Этап 155 |  |  | Этап 156 |  |  | Этап 157 |  |  | Этап 158 |  |  | Этап 159 |  |  | Этап 160 |  |  | Этап 161 |  |  | Этап 162 |  |  | Этап 163 |  |  | Этап 164 |  |  | Этап 165 |  |  | Этап 166 |  |  | Этап 167 |  |  | Этап 168 |  |  | Этап 169 |  |  | Этап 170 |  |  | Этап 171 |  |  | Этап 172 |  |  | Этап 173 |  |  | Этап 174 |  |  | Этап 175 |  |  | Этап 176 |  |  | Этап 177 |  |  | Этап 178 |  |  | Этап 179 |  |  | Этап 180 |  |  | Этап 181 |  |  | Этап 182 |  |  | Этап 183 |  |  | Этап 184 |  |  | Этап 185 |  |  | Этап 186 |  |  | Этап 187 |  |  | Этап 188 |  |  | Этап 189 |  |  | Этап 190 |  |  | Этап 191 |  |  | Этап 192 |  |  | Этап 193 |  |  | Этап 194 |  |  | Этап 195 |  |  | Этап 196 |  |  | Этап 197 |  |  | Этап 198 |  |  | Этап 199 |  |  | Этап 200 |  |  | Этап 201 |  |  | Этап 202 |  |  | Этап 203 |  |  | Этап 204 |  |  | Этап 205 |  |  | Этап 206 |  |  | Этап 207 |  |  | Этап 208 |  |  | Этап 209 |  |  | Этап 210 |  |  | Этап 211 |  |  | Этап 212 |  |  | Этап 213 |  |  | Этап 214 |  |  | Этап 215 |  |  | Этап 216 |  |  | Этап 217 |  |  | Этап 218 |  |  | Этап 219 |  |  | Этап 220 |  |  | Этап 221 |  |  | Этап 222 |  |  | Этап 223 |  |  | Этап 224 |  |  | Этап 225 |  |  | Этап 226 |  |  | Этап 227 |  |  | Этап 228 |  |  | Этап 229 |  |  | Этап 230 |  |  | Этап 231 |  |  | Этап 232 |  |  | Этап 233 |  |  | Этап 234 |  |  | Этап 235 |  |  | Этап 236 |  |  | Этап 237 |  |  | Этап 238 |  |  | Этап 239 |  |  | Этап 240 |  |  | Этап 241 |  |  | Этап 242 |  |  | Этап 243 |  |  | Этап 244 |  |  | Этап 245 |  |  | Этап 246 |  |  | Этап 247 |  |  | Этап 248 |  |  | Этап 249 |  |  | Этап 250 |  |  | Этап 251 |  |  | Этап 252 |  |  | Этап 253 |  |  | Этап 254 |  |  | Этап 255 |  |  | Этап 256 |  |  | Этап 257 |  |  | Этап 258 |  |  | Этап 259 |  |  | Этап 260 |  |  | Этап 261 |  |  | Этап 262 |  |  | Этап 263 |  |  | Этап 264 |  |  | Этап 265 |  |  | Этап 266 |  |  | Этап 267 |  |  | Этап 268 |  |  | Этап 269 |  |  | Этап 270 |  |  | Этап 271 |  |  | Этап 272 |  |  | Этап 273 |  |  | Этап 274 |  |  | Этап 275 |  |  | Этап 276 |  |  | Этап 277 |  |  | Этап 278 |  |  | Этап 279 |  |  | Этап 280 |  |  | Этап 281 |  |  | Этап 282 |  |  | Этап 283 |  |  | Этап 284 |  |  | Этап 285 |  |  | Этап 286 |  |  | Этап 287 |  |  | Этап 288 |  |  | Этап 289 |  |  | Этап 290 |  |  | Этап 291 |  |  | Этап 292 |  |  | Этап 293 |  |  | Этап 294 |  |  | Этап 295 |  |  | Этап 296 |  |  | Этап 297 |  |  | Этап 298 |  |  | Этап 299 |  |  | Этап 300 |  |  | Этап 301 |  |  | Этап 302 |  |  | Этап 303 |  |  | Этап 304 |  |  | Этап 305 |  |  | Этап 306 |  |  | Этап 307 |  |  | Этап 308 |  |  | Этап 309 |  |  | Этап 310 |  |  | Этап 311 |  |  | Этап 312 |  |  | Этап 313 |  |  | Этап 314 |  |  | Этап 315 |  |  | Этап 316 |  |  | Этап 317 |  |  | Этап 318 |  |  | Этап 319 |  |  | Этап 320 |  |  | Этап 321 |  |  | Этап 322 |  |  | Этап 323 |  |  | Этап 324 |  |  | Этап 325 |  |  | Этап 326 |  |  | Этап 327 |  |  | Этап 328 |  |  | Этап 329 |  |  | Этап 330 |  |  | Этап 331 |  |  | Этап 332 |  |  | Этап 333 |  |  | Этап 334 |  |  | Этап 335 |  |  | Этап 336 |  |  | Этап 337 |  |  | Этап 338 |  |  | Этап 339 |  |  | Этап 340 |  |  | Этап 341 |  |  | Этап 342 |  |  | Этап 343 |  |  | Этап 344 |  |  | Этап 345 |  |  | Этап 346 |  |  | Этап 347 |  |  | Этап 348 |  |  | Этап 349 |  |  | Этап 350 |  |  | Этап 351 |  |  | Этап 352 |  |  | Этап 353 |  |  | Этап 354 |  |  | Этап 355 |  |  | Этап 356 |  |  | Этап 357 |  |  | Этап 358 |  |  | Этап 359 |  |  | Этап 360 |  |  | Этап 361 |  |  | Этап 362 |  |  | Этап 363 |  |  | Этап 364 |  |  | Этап 365 |  |  | Этап 366 |  |  | Этап 367 |  |  | Этап 368 |  |  | Этап 369 |  |  | Этап 370 |  |  | Этап 371 |  |  | Этап 372 |  |  | Этап 373 |  |  | Этап 374 |  |  | Этап 375 |  |  | Этап 376 |  |  | Этап 377 |  |  | Этап 378 |  |  | Этап 379 |  |  | Этап 380 |  |  | Этап 381 |  |  | Этап 382 |  |  | Этап 383 |  |  | Этап 384 |  |  | Этап 385 |  |  | Этап 386 |  |  | Этап 387 |  |  | Этап 388 |  |  | Этап 389 |  |  | Этап 390 |  |  | Этап 391 |  |  | Этап 392 |  |  | Этап 393 |  |  | Этап 394 |  |  | Этап 395 |  |  | Этап 396 |  |  | Этап 397 |  |  | Этап 398 |  |  | Этап 399 |  |  | Этап 400 |  |  | Этап 401 |  |  | Этап 402 |  |  | Этап 403 |  |  | Этап 404 |  |  | Этап 405 |  |  | Этап 406 |  |  | Этап 407 |  |  | Этап 408 |  |  | Этап 409 |  |  | Этап 410 |  |  | Этап 411 |  |  | Этап 412 |  |  | Этап 413 |  |  | Этап 414 |  |  | Этап 415 |  |  | Этап 416 |  |  | Этап 417 |  |  | Этап 418 |  |  | Этап 419 |  |  | Этап 420 |  |  | Этап 421 |  |  | Этап 422 |  |  | Этап 423 |  |  | Этап 424 |  |  | Этап 425 |  |  | Этап 426 |  |  | Этап 427 |  |  | Этап 428 |  |  | Этап 429 |  |  | Этап 430 |  |  | Этап 431 |  |  | Этап 432 |  |  | Этап 433 |  |  | Этап 434 |  |  | Этап 435 |  |  | Этап 436 |  |  | Этап 437 |  |  | Этап 438 |  |  | Этап 439 |  |  | Этап 440 |  |  | Этап 441 |  |  | Этап 442 |  |  | Этап 443 |  |  | Этап 444 |  |  | Этап 445 |  |  | Этап 446 |  |  | Этап 447 |  |  | Этап 448 |  |  | Этап 449 |  |  | Этап 450 |  |  | Этап 451 |  |  | Этап 452 |  |  | Этап 453 |  |  | Этап 454 |  |  | Этап 455 |  |  | Этап 456 |  |  | Этап 457 |  |  | Этап 458 |  |  | Этап 459 |  |  | Этап 460 |  |  | Этап 461 |  |  | Этап 462 |  |  | Этап 463 |  |  | Этап 464 |  |  | Этап 465 |  |  | Этап 466 |  |  | Этап 467 |  |  | Этап 468 |  |  | Этап 469 |  |  | Этап 470 |  |  | Этап 471 |  |  | Этап 472 |  |  | Этап 473 |  |  | Этап 474 |  |  | Этап 475 |  |  | Этап 476 |  |  | Этап 477 |  |  | Этап 478 |  |  | Этап 479 |  |  | Этап 480 |  |  | Этап 481 |  |  | Этап 482 |  |  | Этап 483 |  |  | Этап 484 |  |  | Этап 485 |  |  | Этап 486 |  |  | Этап 487 |  |  | Этап 488 |  |  | Этап 489 |  |  | Этап 490 |  |  | Этап 491 |  |  | Этап 492 |  |  | Этап 493 |  |  | Этап 494 |  |  | Этап 495 |  |  | Этап 496 |  |  | Этап 497 |  |  | Этап 498 |  |  | Этап 499 |  |  | Этап 500 |  |  | Этап 501 |  |  | Этап 502 |  |  | Этап 503 |  |  | Этап 504 |  |  | Этап 505 |  |  | Этап 506 |  |  | Этап 507 |  |  | Этап 508 |  |  | Этап 509 |  |  | Этап 510 |  |  | Этап 511 |  |  | Этап 512 |  |  | Этап 513 |  |  | Этап 514 |  |  | Этап 515 |  |  | Этап 516 |  |  | Этап 517 |  |  | Этап 518 |  |  | Этап 519 |  |  | Этап 520 |  |  | Этап 521 |  |  | Этап 522 |  |  | Этап 523 |  |  | Этап 524 |  |  | Этап 525 |  |  | Этап 526 |  |  | Этап 527 |  |  | Этап 528 |  |  | Этап 529 |  |  | Этап 530 |  |  | Этап 531 |  |  | Этап 532 |  |  | Этап 533 |  |  | Этап 534 |  |  | Этап 535 |  |  | Этап 536 |  |  | Этап 537 |  |  | Этап 538 |  |  | Этап 539 |  |  | Этап 540 |  |  | Этап 541 |  |  | Этап 542 |  |  | Этап 543 |  |  | Этап 544 |  |  | Этап 545 |  |  | Этап 546 |  |  | Этап 547 |  |  | Этап 548 |  |  | Этап 549 |  |  | Этап 550 |  |  | Этап 551 |  |  | Этап 552 |  |  | Этап 553 |  |  | Этап 554 |  |  | Этап 555 |  |  | Этап 556 |  |  | Этап 557 |  |  | Этап 558 |  |  | Этап 559 |  |  | Этап 560 |  |  | Этап 561 |  |  | Этап 562 |  |  | Этап 563 |  |  | Этап 564 |  |  | Этап 565 |  |  | Этап 566 |  |  | Этап 567 |  |  | Этап 568 |  |  | Этап 569 |  |  | Этап 570 |  |  | Этап 571 |  |  | Этап 572 |  |  | Этап 573 |  |  | Этап 574 |  |  | Этап 575 |  |  | Этап 576 |  |  | Этап 577 |  |  | Этап 578 |  |  | Этап 579 |  |  | Этап 580 |  |  | Этап 581 |  |  | Этап 582 |  |  | Этап 583 |  |  | Этап 584 |  |  | Этап 585 |  |  | Этап 586 |  |  | Этап 587 |  |  | Этап 588 |  |  | Этап 589 |  |  | Этап 590 |  |  | Этап 591 |  |  | Этап 592 |  |  | Этап 593 |  |  | Этап 594 |  |  | Этап 595 |  |  | Этап 596 |  |  | Этап 597 |  |  | Этап 598 |  |  | Этап 599 |  |  | Этап 600 |  |  | Этап 601 |  |  | Этап 602 |  |  | Этап 603 |  |  | Этап 604 |  |  | Этап 605 |  |  | Этап 606 |  |  | Этап 607 |  |  | Этап 608 |  |  | Этап 609 |  |  | Этап 610 |  |  | Этап 611 |  |  | Этап 612 |  |  | Этап 613 |  |  | Этап 614 |  |  | Этап 615 |  |  | Этап 616 |  |  | Этап 617 |  |  | Этап 618 |  |  | Этап 619 |  |  | Этап 620 |  |  | Этап 621 |  |  | Этап 622 |  |  | Этап 623 |  |  | Этап 624 |  |  | Этап 625 |  |  | Этап 626 |  |  | Этап 627 |  |  | Этап 628 |  |  | Этап 629 |  |  | Этап 630 |  |  | Этап 631 |  |  | Этап 632 |  |  | Этап 633 |  |  | Этап 634 |  |  | Этап 635 |  |  | Этап 636 |  |  | Этап 637 |  |  | Этап 638 |  |  | Этап 639 |  |  | Этап 640 |  |  | Этап 641 |  |  | Этап 642 |  |  | Этап 643 |  |  | Этап 644 |  |  | Этап 645 |  |  | Этап 646 |  |  | Этап 647 |  |  | Этап 648 |  |  | Этап 649 |  |  | Этап 650 |  |  | Этап 651 |  |  | Этап 652 |  |  | Этап 653 |  |  | Этап 654 |  |  | Этап 655 |  |  | Этап 656 |  |  | Этап 657 |  |  | Этап 658 |  |  | Этап 659 |  |  | Этап 660 |  |  | Этап 661 |  |  | Этап 662 |  |  | Этап 663 |  |  | Этап 664 |  |  | Этап 665 |  |  | Этап 666 |  |  | Этап 667 |  |  | Этап 668 |  |  | Этап 669 |  |  | Этап 670 |  |  | Этап 671 |  |  | Этап 672 |  |  | Этап 673 |  |  | Этап 674 |  |  | Этап 675 |  |  | Этап 676 |  |  | Этап 677 |  |  | Этап 678 |  |  | Этап 679 |  |  | Этап 680 |  |  | Этап 681 |  |  | Этап 682 |  |  | Этап 683 |  |  | Этап 684 |  |  | Этап 685 |  |  | Этап 686 |  |  | Этап 687 |  |  | Этап 688 |  |  | Этап 689 |  |  | Этап 690 |  |  | Этап 691 |  |  | Этап 692 |  |  | Этап 693 |  |  | Этап 694 |  |  | Этап 695 |  |  | Этап 696 |  |  | Этап 697 |  |  | Этап 698 |  |  | Этап 699 |  |  | Этап 700 |  |  | Этап 701 |  |  | Этап 702 |  |  | Этап 703 |  |  | Этап 704 |  |  | Этап 705 |  |  | Этап 706 |  |  | Этап 707 |  |  | Этап 708 |  |  | Этап 709 |  |  | Этап 710 |  |  | Этап 711 |  |  | Этап 712 |  |  | Этап 713 |  |  | Этап 714 |  |  | Этап 715 |  |  | Этап 716 |  |  | Этап 717 |  |  | Этап 718 |  |  | Этап 719 |  |  | Этап 720 |  |  | Этап 721 |  |  | Этап 722 |  |  | Этап 723 |  |  | Этап 724 |  |  | Этап 725 |  |  | Этап 726 |  |  | Этап 727 |  |  | Этап 728 |  |  | Этап 729 |  |  | Этап 730 |  |  | Этап 731 |  |  | Этап 732 |  |  | Этап 733 |  |  | Этап 734 |  |  | Этап 735 |  |  | Этап 736 |  |  | Этап 737 |  |  | Этап 738 |  |  | Этап 739 |  |  | Этап 740 |  |  | Этап 741 |  |  | Этап 742 |  |  | Этап 743 |  |  | Этап 744 |  |  | Этап 745 |  |  | Этап 746 |  |  | Этап 747 |  |  | Этап 748 |  |  | Этап 749 |  |  | Этап 750 |  |  | Этап 751 |  |  | Этап 752 |  |  | Этап 753 |  |  | Этап 754 |  |  | Этап 755 |  |  | Этап 756 |  |  | Этап 757 |  |  | Этап 758 |  |  | Этап 759 |  |  | Этап 760 |  |  | Этап 761 |  |  | Этап 762 |  |  | Этап 763 |  |  | Этап 764 |  |  | Этап 765 |  |  | Этап 766 |  |  | Этап 767 |  |  | Этап 768 |  |  | Этап 769 |  |  | Этап 770 |  |  | Этап 771 |  |  | Этап 772 |  |  | Этап 773 |  |  | Этап 774 |  |  | Этап 775 |  |  | Этап 776 |  |  | Этап 777 |  |  | Этап 778 |  |  | Этап 779 |  |  | Этап 780 |  |  | Этап 781 |  |  | Этап 782 |  |  | Этап 783 |  |  | Этап 784 |  |  | Этап 785 |  |  | Этап 786 |  |  | Этап 787 |  |  | Этап 788 |  |  | Этап 789 |  |  | Этап 790 |  |  | Этап 791 |  |  | Этап 792 |  |  | Этап 793 |  |  | Этап 794 |  |  | Этап 795 |  |  | Этап 796 |  |  | Этап 797 |  |  | Этап 798 |  |  | Этап 799 |  |  | Этап 800 |  |  | Этап 801 |  |  | Этап 802 |  |  | Этап 803 |  |  | Этап 804 |  |  | Этап 805 |  |  | Этап 806 |  |  | Этап 807 |  |  | Этап 808 |  |  | Этап 809 |  |  | Этап 810 |  |  | Этап 811 |  |  | Этап 812 |  |  | Этап 813 |  |  | Этап 814 |  |  | Этап 815 |  |  | Этап 816 |  |  | Этап 817 |  |  | Этап 818 |  |  | Этап 819 |  |  | Этап 820 |  |  | Этап 821 |  |  | Этап 822 |  |  | Этап 823 |  |  | Этап 824 |  |  | Этап 825 |  |  | Этап 826 |  |  | Этап 827 |  |  | Этап 828 |  |  | Этап 829 |  |  | Этап 830 |  |  | Э |  |  |
|-------|--|--|--------------|--|--|--------|--|--|--------|--|--|--------|--|--|--------|--|--|--------|--|--|--------|--|--|--------|--|--|--------|--|--|--------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|---|--|--|
|-------|--|--|--------------|--|--|--------|--|--|--------|--|--|--------|--|--|--------|--|--|--------|--|--|--------|--|--|--------|--|--|--------|--|--|--------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|---------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|----------|--|--|---|--|--|